

रजिस्ट्रं न० HP/13/SML-2004.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 20 दिसम्बर, 2004/29 अग्रहायण, 1926

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-2, 20 दिसम्बर, 2004

संख्या वि० स०-विधायन-गवर्नमेंट बिल/1-59/2004.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान (संशोधन) विधेयक, 2004 (2004 का विधेयक संख्यांक 120) जो आज दिनांक

20 दिसम्बर, 2004 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

जे० आर० गाजटा,
सचिव।

2004 का विधेयक संख्यांक 20.

हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान संशोधन विधेयक, 2004

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1999 (1999 का 16) का और संशोधन करने के लिए विधेयक ।

भारत गणराज्य के पचपनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान संशोधन अधिनियम, 2004 है ।

संक्षिप्त नाम ।

1999 का 16 हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1999 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'मूल अधिनियम' निर्दिष्ट किया गया है) की धारा 3 की उप-धारा (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

धारा 3 का संशोधन ।

“2. अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट माल पर उद्गृहीत किया गया ऐसा कर, राज्य में प्रत्येक दो सौ पचास किलोमीटर या उसके भाग की तथ की गई या तथ की जा रही दूरी के लिए निम्नलिखित दरों पर संदेय होगा, अर्थात् :—

(क) जहां तथ की गई या तथ की जा रही दूरी 250 किलोमीटर से अधिक न हो अनुसूची-1 के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट दरों पर; और

(ख) जहां तथ की गई या तथ की जा रही दूरी 250 किलोमीटर से अधिक हो अनुसूची-1 के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट दरों से दुगुनी दरों पर ।” ।

3. मूल अधिनियम की धारा 15 की उप-धारा (1) में “पूर्व प्रकाशन की शर्त के अधीन रहते हुए,” शब्दों और चिन्ह का लोप किया जाएगा ।

धारा 15 का संशोधन ।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1999 (1999 का 16) की धारा 3 के अधीन सड़क द्वारा वहन किए जा रहे विनिर्दिष्ट माल पर कर उद्गृहीत किया जा रहा है। ऐसे कर को तीन स्लैब में अनुपाततः मापा जाता है अर्थात्, (i) प्रथम 150 किलोमीटर, (ii) अगले 150 किलोमीटर, (iii) 300 किलोमीटर से ऊपर। राज्य के बर-दराज के क्षेत्रों से सड़क द्वारा वहन किए गए माल पर कर के साम्यपूर्ण आयतन को सुनिश्चित करने की दृष्टि से दूरी की विद्यमान तीन स्लैब प्रणाली को तर्कसंगत बनाने तथा इसके स्थान पर दो स्लैब प्रणाली प्रतिस्थापित करने का विनिश्चय किया गया है। इसके अतिरिक्त यह भी विनिश्चय किया गया है कि अनुसूची-I में किसी भी प्रकार का संशोधन करने के लिए पूर्व प्रकाशन की अपेक्षा का भी लोप कर दिया जाए ताकि अनुसूची-I में कर की दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन तथा इसमें माल का किसी भी प्रकार का परिवर्धन तथा लोप बिना किसी विलम्ब के किया जा सके। इसलिए उपर्युक्त अधिनियम में संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

रंगीला राम राव,
प्रभारी मन्त्री।

शिमला :

तारीख.....

वित्तीय ज्ञापन

विधेयक का खण्ड 2 माल के वहन पर कर के परिमाण के लिए विद्यमान तीन स्लैबों को घटाकर दो स्लैब करने और 150 किलोमीटर की बुनियादी दूरी के पैरामीटर को 250 किलोमीटर तक बढ़ाने के लिए है। विधेयक के उपबन्धों के अधिनियमित होने पर आय में सीमान्त कमी होने की सम्भावना है जिसको परिमाणित नहीं किया जा सकता, परन्तु इसे प्रभावी प्रशासन द्वारा, कर के अपवंचन पर नियन्त्रण द्वारा तथा बेहतर कर अनुपालना द्वारा पूरा किए जाने की सम्भावना है।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

—शून्य—

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिशें

[आबकारी एवं कराधान विभाग नस्ति सं० ई० एक्स० एन०-एफ० (6) 4/2004]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान संशोधन विधेयक, 2004 की विषय-वस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन उक्त विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं।

हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कपितथ माल के वहन पर) कराधान संशोधन विधेयक, 2004

हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कपितथ माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1999 (1999 का 16) का और संशोधन करने के लिए विधेयक।

रंगीला राम राव,
प्रभारी मन्त्री।

सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,
सचिव (विधि)।

शिमला :
तारीख

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No 20 of 2004.

THE HIMACHAL PRADESH TAXATION (ON CERTAIN GOODS
CARRIED BY ROAD) AMENDMENT BILL, 2004

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

*further to amend the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods
Carried by Road) Act, 1999 (Act No. 16 of 1999).*BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in
the Fifty-fifth Year of the Republic of India, as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Taxation (on
Certain Goods Carried by Road) Amendment Act, 2004.Amendment
of section 3.2. In section 3 of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods
Carried by Road) Act, 1999 (hereinafter referred to as the 'principal
Act'), for sub-section (2), the following shall be substituted, namely:—

16 of 1999

“(2) Such tax levied on the goods specified in Schedule-I, shall be
payable for a distance of every two hundred and fifty kilo-
metres or part thereof covered or being covered within the
State and at the following rates, namely:—

- | | |
|--|--|
| (a) where the distance covered
or being covered does not
exceed 250 kilometres | at the rates as specified in
column 3 of Schedule-I;
and |
| (b) where the distance covered
or being covered exceeds
250 kilometres | at twice the rates as specified
in column 3 of Schedule-
I”. |

Amendment
of section 15.3. In section 15 of the principal Act, in sub-section (1), the words and
sign “subject to the condition of previous publication,” shall be omitted.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Under section 3 of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1999 (Act No. 16 of 1999) tax is levied on specified goods carried by road. Such tax is measured rateably for three slabs, namely (i) first 150 kilometres, (ii) next 150 kilometres and (iii) above 300 kilometres. With a view to ensuring equitable incidence of tax on goods transported by road to and from far-flung areas of the State, it has been decided to rationalize and replace the existing three slabs system of distances by a system of two-slabs. Besides, it has also been decided to omit the requirement of previous publication for making any amendment in Schedule-I, so that any change in rate of tax and any addition or deletion of goods in Schedule-I is made without any delay. This has necessitated amendments in the Act *ibid*.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

SHIMLA:

The.....2004.

RANGILA RAM RAO,
Minister-in-charge.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to reduce the existing three slabs for measuring tax on carriage of goods to two and to enhance the basic distance parameter of 150 kilometres to 250 kilometres. The provisions of the Bill if enacted is likely to marginally reduce the income which cannot be quantified, but the same is likely to be made good by way of effective administration, curbing evasion of tax and better tax compliance.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

-Nil-

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

[Excise and Taxation Department file No. EXN-F(6) 4/2004]

The Governor of Himachal Pradesh after having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Amendment Bill, 2004, recommends under Article 207 of the Constitution of India the introduction and consideration of the Bill in the Legislative Assembly.

THE HIMACHAL PRADESH TAXATION (ON CERTAIN GOODS CARRIED BY
ROAD) AMENDMENT BILL, 2004

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act,
1999 (Act No. 16 of 1999).

RANGILA RAM RAO,
Minister-in-charge.

SURINDER SINGH THAKUR,
Secretary (Law).

SHMLA:
The....., 2004.